भारत में खेलने के पिछले अनुभव का हमें फायदा मिलेगा। नोएडा और लखनऊ हमारे घरेलू मैदान रहे हैं। हमने यहां कई मैच खेले हैं और अभ्यास शिविर लगाए हैं। हम भारत के मौसम और पिच की स्थिति से भी परिचित हैं। -रहमत शाह

अफगानिस्तान के बल्लेबाज, न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एंड्रयू फ्लिंटॉफ

इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ इंग्लैंड लायंस टीम के हेड कोच बनाए गए हैं। लायंस टीम इंग्लैंड की ए टीम को कहते हैं। फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड के लिए 79 टेस्ट खेले हैं, वह पिछले साल ही सीनियर टीम के असिस्टेंट कोच बने थे। वह श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी टीम के असिस्टेंट कोच हैं। फ्लिंटॉफ अपने नए रोल की शुरुआत अक्टूबर में साउथ अफ्रीका दौरे से करेंगे। ए टीम फिर अगले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। जिसकी मदद से 2025-26 ऐशेज सीरीज के लिए नए प्लेयर्स भी तैयार होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

घरेलू क्रिकेट में डीआरएस से युवा बल्लेबाजों को फायदा मिलेगा : अश्विन

नयी दिल्ली, 7 सितम्बर। सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मौजूदा दलीप ट्रॉफी में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) को लागू करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे युवा बल्लेबाजों

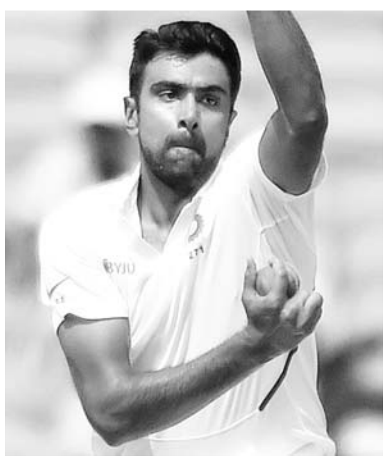

को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से पहले आवश्यक तकनीकी बदलाव करने में मदद मिलेगी। अश्विन शुक्रवार की शाम को अनंतपुर में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी मैच के दौरान भारत डी के बल्लेबाज रिकी भुई को पगबाधा आउट दिए जाने के बाद चली चर्चा पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे।मैदानी अंपायर ने तब बल्लेबाज को आउट नहीं दिया था लेकिन भारत सी ने डीआरएस का सहारा लिया जिसके बाद भुई को पवेलियन लौटना पड़ा। अश्विन ने एक्स पर लिखा''घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस सिर्फ सही निर्णय लेने तक सीमित नहीं है। कल शाम मानव सुथार की गेंद पर रिकी भुवी (भुई) का आउट होना एक बल्लेबाज का उत्कृष्ट मामला है जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में इस तकनीक के नहीं होने पर आउट होने से बच जाता।'' उन्होंने कहा, ''डीआरएस से पहले आगे बढ़कर खेलना कोई दोषपूर्ण तकनीक नहीं थी लेकिन अब यह है। पुराने जमाने में बल्लेबाजों को सिर्फ इसलिए नॉट आउट दिया जाता था क्योंकि वे फ्रंटफुट पर खेलने में कामयाब रहते थे।''

मार्क वुड चोट के कारण पाकिस्तान और न्यूजीलैंड श्रृंखला से बाहर

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड दाहिनी कोहनी की चोट के कारण इस साल होने वाले बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगे। इस तरह से वह अक्टूबर में पाकिस्तान और दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के सबसे तेज गेंदबाज वुड

ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान अपनी कोहनी में दर्द महसूस किया था जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में परेशानी हो रही थी। इस दर्द के बावजूद वह श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर में पहले टेस्ट मैच में खेले थे। इस मैच में उनकी दाहिनी जांघ में भी चोट लग गई थी और इस कारण वह श्रीलंका के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि वुड का लक्ष्य अगले साल के शुरू तक पूरी फिटनेस हासिल करना है। तब इंग्लैंड की टीम को सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलने के लिए भारत का दौरा करना है जबकि फरवरी में पाकिस्तान में चैंपियंस ट्राफी खेली जाएगी।

दूसरा टी-20 जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर कब्जा किया

एडिनबरा, 7 सितम्बर। ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 70 रन से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर भी कब्जा कर लिया है। एडिनबरा में खेला गया मुकाबला बारिश की वजह से देरी से शुरू हुआ। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बैरिंगटन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 196 रन बनाए। जोश इंग्लिस ने अपने करियर का दूसरा शतक लगाया। उन्होंने 103 रन की पारी खेली। 197 रन का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड टीम की शुरुआत खराब रही। 20 रन के अंदर दोनों ओपनर्स पवेलियन लौट गए। टॉप ऑर्डर बैट्समैन ब्रैंडन मैक्मुलेन 59 और जॉर्ज मुन्से 19 रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। पूरी टीम 126 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मार्कस स्टोइनिस ने 4 विकेट लिए। जोश ने ऑस्ट्रेलिया के लिए टी-20 में सबसे तेज सेंचुरी लगाई। उन्होंने 43 बॉल पर अपना शतक पूरा किया। 103 रन की पारी में उन्होंने 7 चौके और 7 सिक्स लगाए। ऑस्ट्रेलिया के पावर हीटर ट्रैविस हेड को ब्रैड क्यूरी ने शून्य के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। लड़खड़ाती पारी को हेड और ग्रीन ने संभाला। दोनों ने मिलकर 52 बॉल पर 92 रन जोड़े। ग्रीन ने 36 रन की पारी खेली। ग्रीन के आउट होने के बाद मार्कस स्टोइनिस बल्लेबाजी करने आए।

शरद कुमार ने पैरा एथलेटिक्स में भरी ऊंची उड़ान

पुरुषों की ऊंची कूद टी-63 में रजत पदक हासिल किया

नई दिल्ली, 7 सितंबर। भारत के पैरा-एथलीट शरद कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद टी63 में रजत पदक हासिल कर अपनी उपलब्धि में एक और इजाफा किया। एक मार्च 1992 को बिहार के मोतीपुर में जन्मे शरद को दो साल की उम्र में ही पोलियो हो गया था। उनका बचपन स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से भरा हुआ था, जिससे उन्हें ठीक करने के लिए अस्पतालों के दौरे के साथ-साथ आध्यात्मिक अनुष्ठानों की आवश्यकता पड़ी। चार साल की उम्र में, शरद को एक बोर्डिंग स्कूल में भेज दिया गया जहाँ उन्हें खेलकूद से बाहर रखा गया। ऐसी स्थिति ने उसे बहुत निराश किया। इन सीमाओं से मुक्त होने की इच्छा ने खेल, विशेषकर ऊंची कूद में उनकी रुचि जगाई। अपने बड़े भाई, जो एक स्कूल रिकॉर्ड धारक था, से प्रेरित होकर, शरद ने ऊंची कूद पर अपना ध्यान केंद्रित किया और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शरद कुमार के एथलेटिक करियर की उड़ान तब शुरू हुई जब उन्होंने 2009 में छठी जूनियर नेशनल पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इस शुरुआती जीत के कारण 2010 में चीन के गुआंगझो में एशियाई पैरा खेलों में उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण हुआ। इन वर्षों में, शरद ने व्यक्तिगत और शारीरिक दोनों बाधाओं

को पार करते हुए अपने कौशल को निखारा। उनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों में पुरुषों की ऊंची कूद टी42 में टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में कांस्य पदक, 2019 और 2017 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक और 2018 और 2014 में एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने मलेशिया ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया, जिससे भारत के प्रमुख पैरा-एथलीटों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई। पैरा-एथलेटिक्स में शरद कुमार की सफलता को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के जरिये काफ़ी बढ़ावा मिला है। उनके प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और विशेषज्ञ कोचिंग के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जो उनके विकास और प्रदर्शन के लिए आवश्यक है।

शरद कुमार की कहानी सभी बाधाओं के बावजूद जीत की कहानी है। पोलियो के प्रभाव से जूझने से लेकर टोक्यो और पेरिस पैरालिंपिक में पोडियम पर खड़े होने तक, उनकी यात्रा महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए प्रेरणा है। अपने नाम के साथ कई पुरस्कारों के साथ, शरद लगातार बाधाओं को तोड़ रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

होकाटो ने शॉटपुट स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियान में अपना बांया पैर गंवाया था

पेरिस, 7 सितंबर। भारतीय एथलीट होकाटो सेमा ने पहली बार पैरालिंपिक खेलों में भाग लेते हुए पुरुषों की शॉटपुट एफ57 के फाइनल मुकाबले में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। नागालैंड के रहने वाले एथलीट होकाटो सेमा ने शुक्रवार देर रात खेले गये गोला फेंक मुकाबले मे 14.65 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ पैरालिंपिक में छह स्वर्ण, नौ रजत, 12 कांस्य के साथ भारत के पदकों की संख्या 27 हो गई है। इस स्पर्धा में ईरान के यासिन कोसावनी ने 15.96 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक और वहीं थिएगो पॉलिनो ने 15.06 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक मिला। 24 दिसंबर 1983 को जन्मे होकाटो सेमा नागालैंड के किसान परिवार से आते है। वह सेना में थे और वर्ष 2002 में जम्मू कश्मीर के चौकीबल में आतंकवाद विरोधी अभियान में होकाटो सेमा ने भाग लिया। इस दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट उन्हें अपना बायां पैर गंवाया पड़ा। पैर गवांने के बाद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने 2016 में पैरा एथलीट बनने की ओर रुख किया। सेमा ने एशियाई पैरा खेल 2022 (2023) कांस्य पदक, विश्व चैम्पियनशिप 2024 में चौथा स्थान पर रहे और मोरक्को ग्रैंड प्रिक्स 2022 में रजत पदक जीता।

ओलिंपिक पदक विजेता भारत एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए तैयार

मोकी (चीन), 7 सितंबर। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम आठ सितम्बर से शुरू होने वाली हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपने खिताब की रक्षा के लिये कमर कस चुकी है। मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर शुरू होने वाली प्रतियोगिता में भारत खिताब बचाने के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत कर रहा है, जबकि मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद के साथ पहुंचे हैं।

पिछले साल, भारत ने घरेलू मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई थी। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही शुरुआत हासिल की और इसके बाद ओलंपिक खेलों में फिर से पोडियम पर पहुंचने की जीत हासिल की। इस बार भी, हम यह टूर्नामेंट जीतकर नए सिरे से ओलंपिक चक्र शुरू करना चाहते हैं।

हालांकि इस टूर्नामेंट में हमारे ओलंपिक टीम के दस सदस्य खेल रहे हैं, हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो टीम में अपना प्रभाव डालने की कोशिश कर रहे हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि खेल के दृष्टिकोण से, हमारे आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं लेकिन हम ऐसा करेंगे विशेष रूप से जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ एक संरचित रक्षा खेलना चाहते हैं। विश्व रैंकिंग अंकों के मामले में यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं।

कानपुर सुपरस्टार्स ने रोमांचक मुकाबले में नोएडा किंग्स को हराया

लखनऊ, 7 सितंबर। समीर रिजवी (46) की उपयोगी पारी के बाद गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर कानपुर सुपरस्टार्स ने शनिवार को यूपीटी20 लीग के एक रोमांचक मुकाबले में नोएडा किंग्स को मात्र दो रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम पर कानपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 119 रन बनाये जिसके जवाब में नोएडा की टीम 117 रन ही बना सकी।

गेंदबाजों की मददगार पिच पर समीर रिजवी की पारी कानपुर के लिये जिताऊ साबित हुयी। उन्होने 38 गेंदों की पारी के दौरान चार चौके और एक छक्का लगाया। समीर के अलावा मोहसिन खान (19 नाबाद) का योगदान अहम साबित हुआ। दूसरी ओर, राहुल राजपाल (13) और हर्षित सेठी (30) ने सधी शुरुआत की मगर कानपुर के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी का मुजाहिरा किया जिसके चलते नोएडा के बल्लेबाजों को रन बनाने में मुश्किलात का सामना करना पड़ा।

जननिक सिनर और टेलर फ्रिट्ज यूएस ओपन के फाइनल में

वाशिंगटन, 7 सितंबर। शीर्ष वरीयता प्राप्त जननिक सिनर शुक्रवार को यहां यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन गए, जबकि टेलर फ्रिट्ज ने पांच सेटों के कठिन मैच के बाद फाइनल में अपनी जगह बनायी। सिनर ने ब्रिटिश उभरते सितारे जैक ड्रेपर को सीधे सेटों में 7-5, 7-6(3), 6-2 से हराया। मैच के बाद उन्होने कहा, यह एक बहुत ही कठिन मैच था। मैं बस मानसिक रूप से वहां रहने की कोशिश कर रहा था। ड्रेपर को हराना आसान नहीं था। यदि सिनर फाइनल जीतते हैं, तो वह एक ही सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन दोनों जीतने वाले इतिहास के चौथे पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। दूसरे सेमीफाइनल में, 12वीं वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज ने साथी अमेरिकी फ्रांसिस टियाफो को रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराया। इसके लिए उन्होने तीन घंटे और 18 मिनट तक संघर्ष किया और वापसी की। 2006 के बाद से यूएस ओपन पुरुष फ़ाइनल में जगह बनाने वाले पहले स्थानीय खिलाड़ी थे। फ्रिट्ज ने आंसुओं के साथ कहा, यही कारण है कि मैं इतनी कड़ी मेहनत करता हूं।'' मैं यूएस ओपन के फाइनल में हूं। यह एक सपने के सच होने जैसा है, और मैं इसमें अपना सब कुछ देने जा रहा हूं।

उत्तरी क्षेत्र को हरा कर साई शक्ति बना इंटर जोन चैम्पियन

लखनऊ, 7 सितम्बर। साई शक्ति ने शनिवार को दमदार खेल की बदौलत एकतरफा मुकाबले में उत्तर जोन को 5-1 से हरा कर प्रथम हाकी इण्डिया जूनियर पुरुष इंटर जोन प्रतियोगिता जीत ली है। गोमतीनगर विजयंतखण्ड स्थित पदमश्री मो शाहिद हाकी स्टेडियम में खेले गये फाइनल में जिरामे साई शक्ति की टीम ने 5-1 के अन्तर से विजयश्री प्राप्त की जबकि तीसरे स्थान के मैच में साई बल ने ईस्ट जोन को 6-4 के अन्तर से परास्त कर विजयश्री प्राप्त की। फाइनल मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाडी उत्तर जोन के राहुल राजभर एवं तीसरे स्थान के मैच में साई बल के राहुल को चुना गया। इस प्रतियोगिता में छ: टीमो ने प्रतिभाग किया था।

इंग्लैंड पहली पारी में 325 रन पर ऑलआउट

कप्तान ओली पोप ने 154 रन बनाए, दूसरे सेशन में श्रीलंका ने 142 रन पर 5 विकेट गवाएं

लंदन, 7 सितम्बर। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। शनिवार को मैच के दूसरे दिन पहले सेशन में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 325 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के लिए ओली पोप ने 154 रन की कप्तानी पारी खेली। दूसरा सेशन खत्म होने तक श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट खोकर 142 रन बना लिए। टीम से कप्तान धनंजय डी सिल्वा और कमिंडु मेंडिस नॉटआउट लौटे। पाथुम निसांका ने फिफ्टी लगाई। इंग्लैंड की टीम दूसरे दिन 221/3 के स्कोर से आगे खेलने उतरी, लेकिन हैरी ब्रूक (19), जेमी स्मिथ (16), क्रिस वोक्स (2) और गस एटकिंसन (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। हालांकि, कप्तान ओली पोप ने अपनी शतकीय पारी को आगे बढ़ाते हुए 150 रनों का आंकड़ा पार किया।

पेरिस पैरालिंपिक के मेडलिस्ट भारत लौटे, दिल्ली एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में पहला गोल्ड दिलाने वाली अवनी लेखरा, ब्रॉन्ज मेडलिस्ट मोना अग्रवाल और शूटर मनीष नरवाल समेत कई प्लेयर शनिवार को भारत लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका जमकर स्वागत किया गया। फैंस ने पैरा एथलीट्स के पहुंचते ही ढोल-नगाड़े बजाए और उन्हें मालाएं पहनाईं। 2 बार की गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अवनी लेखरा ने एयरपोर्ट पर कहा- पेरिस पैरालिंपिक की जर्नी अच्छी थी, इस बार हमने कई मेडल जीते। भारतीय पैरालिंपियन शूटर मनीष नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता था। दिल्ली एयरपोर्ट पर फैंस ने उन्हें कंधे पर उठा लिया। मनीष ने कहा- इतना प्यार और सपोर्ट देने के लिए सभी का धन्यवाद। पैरा आर्चर राकेश कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक के आर्चरी मिक्स्ड डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारत लौटने पर फैंस ने उन्हें फूल मालाएं पहनाई। राकेश ने कहा- मेरी जीत का क्रेडिट मेरे कोच को जाता है, हम साथ मिलकर कड़ी मेहनत करके और अच्छा परफॉर्म करेंगे। पेरिस पैरालिंपिक के 10 मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली मोना अग्रवाल का एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत किया गया।

इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हराया

इंडिया-ए के खिलाफ इंडिया-बी को 240 रन की बढ़त, ऋषभ पंत की फिफ्टी

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। दलीप ट्रॉफी के तीसरे दिन शनिवार को इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हरा दिया। 233 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया-सी की टीम ने आर्यन जुयाल के 47 और कप्तान ऋतुराज गायकवाड के 46 रन के चलते जीत दर्ज की। इंडिया-डी की तरफ से सारांश जैन ने 4 विकेट लिए। एक अन्य मुकाबले में इंडिया-बी की टीम ने दूसरी पारी में तीसरे दिन के अंत तक 6 विकेट के नुकसान पर 150 रन बना लिए हैं। इसके साथ ही इंडिया-बी की टीम की कुल बढ़त 240 रन की हो गई है। इंडिया-बी की तरफ से ऋषभ पंत ने 61 रन की पारी खेली। जबकि इंडिया-ए के लिए खलील अहमद और आकाश दीप ने 2-2 विकेट हासिल किए। बता दें कि, इंडिया बी के टॉप क्रम के बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए। यशस्वी जायसवाल इस पारी में सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए जबकि कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 4 रन की पारी खेली।

राजस्थान के मानव सुथार का दिलीप ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन

मानव के ऑलराउंडर प्रदर्शन से जीती इंडिया-सी टीम

जयपुर, 7 सितम्बर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जा रही महत्वपूर्ण दिलीप ट्रॉफी में इंडिया सी टीम ने राजस्थान के युवा आल राउंडर मानव सुथार के शानदार प्रदर्शन के दम पर इंडिया डी टीम को हराया। राजस्थान (श्रीगंगानगर) के युवा खिलाड़ी मानव सुथार ने बीसीसीआई द्वारा आयोजित की जा रही मल्टी डेज प्रतियोगिता दिलीप ट्रॉफी में शानदार आल राउंडर प्रदर्शन करके न केवल बीसीसीआई के चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा है साथ ही भारत की टेस्ट टीम के लिए अपना मजबूत दावा पेश किया है। अनंतपुर में खेली जा रही बीसीसीआई द्वारा आयोजित दिलीप ट्रॉफी में इंडिया सी टीम के लिए खेलते

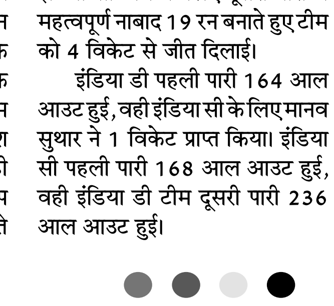

हुए मैच में मानव सुथार ने कुल 7 विकेट प्राप्त किये। जिसमे इंडिया डी टीम के विरुद्ध दूसरी पारी में 7 विकेट लिए व इंडिया सी टीम के लिए दूसरी पारी में महत्वपूर्ण नाबाद 19 रन बनाते हुए टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई।

इंडिया डी पहली पारी 164 आल आउट हुई, वही इंडिया सी के लिए मानव सुथार ने 1 विकेट प्राप्त किया। इंडिया सी पहली पारी 168 आल आउट हुई, वही इंडिया डी टीम दूसरी पारी 236 आल आउट हुई।

5 प्लेयर्स नहीं जीत सके मेडल

पेरिस, 7 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक गेम्स का आज 10वां दिन है। भारत से आज शनिवार को 5 प्लेयर्स मेडल नहीं जीत सके। अब एथलेटिक्स के 3 ही इवेंट में चुनौती बची है। तीनों मुकाबले रात 10:30 बजे के बाद शुरू होंगे। भारत ने अब तक पैरालिंपिक गेम्स में 27 मेडल जीत लिए हैं। भारत मेडल टैली में 17वें नंबर पर है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 6 गोल्ड, 9 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। यह देश का पैरालिंपिक में ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस है। इससे पहले टोक्यो पैरालिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने 5 गोल्ड समेत 19 मेडल जीते थे। वह 15वें नंबर पर रहीं। मेंस रोड साइक्लिंग इवेंट में अरशद शेख भी रेस पूरी नहीं कर सके, वह 28वें नंबर पर रहे। मेंस की 50 मीटर बटरफ्लाई 7 कैटेगरी में भारत के सुयश जाधव 5वें नंबर पर रहे। विमेंस में 2 कैटेगरी की 200 मीटर विमेंस पैरा कनोइंग फाइनल में भारत की प्राची यादव 8वें नंबर पर रहीं। उन्होंने 1.08.55 मिनट में रेस पूरी की। मेंस 11 कैटेगरी के 200 मीटर कैनो स्प्रिंट सेमीफाइनल में यश कुमार 5वें नंबर पर रहे। वह फाइनल में जगह नहीं बना सके।

अभिजीत तोमर, रोहन राजभर व रजत बघेल सम्मानित

अभय शर्मा विशेष अवार्ड से सम्मानित

जयपुर, 7 सितम्बर। राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से हर वर्ष की भांति राजस्थान कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार में मंत्री रहे मथुरा दास माथुर जी की स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर होटल हिल्टन में प्रात: 11.30 बजे समारोह में 31वां मथुरा दास माथुर अवार्ड समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह में राजस्थान के लिए सत्र 2023-24 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सीनियर वर्ग में अभिजीत तोमर, जूनियर वर्ग में रोहन राजभर व सब जूनियर वर्ग में रजत बघेल को अवार्ड से सम्मानित किया गया तथा विजय मर्चेन्ट ट्रॉफी में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने पर अभय शर्मा को उदयमान खिलाड़ी के रूप में अवार्ड से सम्मानित किया। अवार्ड्स के तहत सीनियर

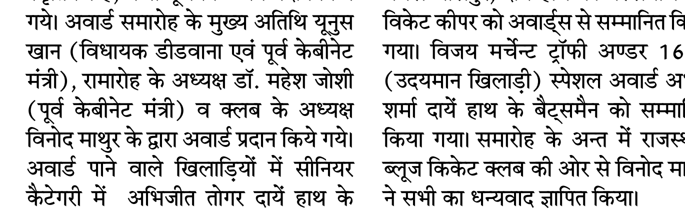

वर्ग में 15000 (पन्द्रह हजार) तथा जूनियर व सब जूनियर वर्ग में कमश: साढ़े सात हजार रुपए नकद व सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस, स्मृति चिन्ह, व सम्पूर्ण किट बैग प्रदान किये गये। अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि यूनुस खान (विधायक डीडवाना एवं पूर्व केबीनेट मंत्री), रामरोह के अध्यक्ष डॉ. महेश जोशी (पूर्व केबीनेट मंत्री) व क्लब के अध्यक्ष विनोद माथुर के द्वारा अवार्ड प्रदान किये गये। अवार्ड पाने वाले खिलाड़ियों में सीनियर कैटेगरी में अभिजीत तोमर दायें हाथ के बल्लेबाज, जनियर कैटेगरी में रोहन राजभर दायें हाथ के बल्लेबाज व ऑफ स्पीनर, सी के नायडू तथा सब जूनियर कैटेगरी में रजत बघेल धौलपुर, दायें हाथ का बल्लेबाज एवं विकेट कीपर को अवार्ड्स से सम्मानित किया गया। विजय मर्चेन्ट ट्रॉफी अण्डर 16 में (उदयमान खिलाड़ी) स्पेशल अवार्ड अभय शर्मा दायें हाथ के बैट्समैन को सम्मानित किया गया। समारोह के अन्त में राजस्थान ब्लूज किकेट क्लब की ओर से विनोद माथुर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।